यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना **जय महावीर** **जय गुरु राम**

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा–2024

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न–उत्तर पत्र भाग – 8

अंक 97+3–100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोट:-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे। (परीक्षा दिनांक 15.09.2024)

1. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 कॉलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न–1. नीचे लिखे पाठों को पूरा कीजिये। 24

1. देवाणुप्पियाणं अंतिए बहवे .....
.....
.....गिहिधम्मं पडिवज्जिस्सामि।

2. जो मोक्ष पथ .....
.....
.....में आकर वये।

3. पभू णं भंते! .....
.....
.....अप्पाणं भावेमाणे विहरणं

4. सेसं जहा सुबाहुस्स .....
.....
..... अयमट्ठे पण्णते।

5. भ्रमवश अगर बोला .....

.....

..... तम मेरा हरें।

6. तएं ण सा धारिणी देवी .....

.....

.....एत्ता अभिसमण्णामया

7. चंपा णयरी! .....

.....

.....पडिलाभिए जाव सिद्धे।

8. हो दुःख या सुख .....

.....

.....मन मेरा भरपूर हो।

प्रश्न 2. नीचे लिखे भावार्थ को पहचानकर मूल पाठ लिखो– **9**

1. यदि श्रमण भगवान् महावीर स्वामी पूर्वानुपूर्वी–क्रमशः गमन करते हुए ग्रामानुग्राम विचरते हुए, यहां पधारे तो मै गृह त्यागकर श्रमण भगवान् महावीर स्वामी के पास मुण्डित होकर प्रवजित हो जाऊं।

.....

.....

.....

.....

2. उस हस्तिशीर्ष नगर में अदीनशत्रु नामक राजा राज्य करता था, जो कि राजाओं में हिमालय आदि पर्वतों के समान महान् था। उस अदीनशत्रु नरेश के अन्तःपुर में धारिणी प्रमुख अर्थात् धारिणी जिनमें प्रधान थी, ऐसी एक हजार रानियां थी।

.....

.....

.....

.....

3. जम्बू! उस काल तथा उस समय में साकेत नाम का एक विख्यात नगर था। वहां उत्तरकुरू नाम का सुन्दर उद्यान था। उसमें पाशामृग नामक यक्ष का यक्षायतन था। उस नगर के राजा मित्रनन्दी थे। उनकी श्रीकान्ता नाम की रानी थी। वरदत्त नाम का राजकुमार था।

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 3. नीचे लिखे पाठों के भावार्थ लिखो– **6**

1. महापुरं णयरं/स्त्रासोगे उज्जाणे/ रत्तपाओ जक्खो/बले राया/सुभद्दा देवी/महव्वले कुमारे, रत्तवई पामोक्खाणं पंचसया/तित्थयरागमणं जाव पुव्वभव पुच्छा/मणिपुरे णयरे/ णागदत्ते गाहावई/ इंददत्ते अणगारे पडिलाभिएव जाव सिद्धे।

.....

.....

.....

.....

2. से णं तओ अणंतरं चयं चइत्ता महाविदेहे वासे जाव अड्ढे जहा दप्पइण्णे सिज्झिहिइ बुज्झिहिइ, मुच्चिहिइ, परिणित्वाहिइ सव्वदुक्खाणमंतं करिहिइ।

.....

.....

.....

3. तए णं से सुदत्ते अणगारे मासखमण–पारणगंसि पढमाए पोरिसीए सज्झायं करेइ, जहा गोयमसामी तहेव, धम्मसोसे थेरे आपुच्चइ जाव अडमाणे सुहस्स गाहावइस्स गिहं अणुपविट्ठे।

.....

.....

.....

.....

प्रश्न–4. संक्षेप में उत्तर दो– **20**

1. श्रावक जी दया दस विस्वा कैसे घट गई समझाइये।

.....

2. जीव स्वभाव धर्म क्या है, समझाइये?

.....

3. ''प्रेक्ष्य त्याग प्रतिमा'' को स्पष्ट कीजिये।

.....

4. सूक्ष्म संपराय गुणस्थान किसे कहते है, उदाहरण सहित समझाये।

.....

5. ''धन्या माता'' को रोना क्यों आया है?

.....

6. श्रीकृष्ण ने तप की आराधना क्यों की? और देव ने उन्हें क्या कहा समझाइये।

.....

7. मदनरेखा धर्मसहाय कैसे बनी?

.....

8. दान का महत्व समझाइये।

.....

9. देवकृत अतिशय में से कोई 4 लिखो।

.....

10. सर्वोत्तम सुपात्र कौन है, समझाइये।

.....

प्रश्न-5. नीचे लिखी लाईनों को पूरा करो- **10**

1. पंच महाव्रत को .....

.....पाले प्रत्याख्यान।

2. आत्मा का .....

.....घर माना।

3. फूल खिलते .....

.....कोई-कोई।

4. लाख-लाख .....

.....दान-दाता।

5. काम भोग .....

.....दुःख की खान।

प्रश्न–6. एक शब्द में उत्तर दीजिये– **10**

1. भगवान के श्वासोच्छवास किससे अधिक सुगन्धित होवे। .....
2. अज्ञानी को क्या मिलने पर प्रसन्न होता है? .....
3. मदनरेखा ने पति का अंतिम समय में क्या सहयोग दिया। .....
4. गजसुकुमाल ने भगवान से किसकी अनुमति मांगी। .....
5. राजग्रह नगर में विदेशी व्यापारी क्या लेकर आये। .....
6. ''दया के थोकड़े'' में यह परिगणना श्रावक के कौन से व्रत की अपेक्षा से है? .....
7. जीवाजीव तत्वों के ज्ञाता की जागरणा कौन सी है? .....
8. कितने मास की प्रव्रज्या वाले साधु असुरकुमार देवों के तेज का उल्लंघन कर जाते है। .....
9. कौनसी प्रतिमा में उपासक स्वयं कोई हिंसा नहीं करता है। .....
10. आत्मा के साथ कर्मों का लगा रहना क्या है? .....

प्रश्न–7. सही गलत बताइये– **8**

1. भगवान धर्म उपदेश प्राकृत भाषा में फरमाते है। ( )
2. सभी तीर्थंकर दीक्षा के पूर्व एक वर्ष तक लगातर दान देते है। ( )
3. एक पत्नी प्रतिदिन त्यागता है, वह तो वीर है। ( )
4. वीर्याचारी के बारह भेद है। ( )
5. अनशन ऊनोदरी करना चरणसत्तरी है। ( )
6. तीसरे गुणस्थान में कोई सम्यक्त्व नहीं होता है। ( )
7. अनादि अपर्यवसित मिथ्यात्व का अंत करेंगे। ( )
8. सभी जीव जीना चाहते है, मरना कोई नहीं चाहता। ( )

प्रश्न–8. संक्षेप में उत्तर दीजिये– **10**

1. आहारक और आहारक मित्र कौन–कौन से गुणस्थान में नहीं होते है?

.....

.....

2. सातवें गुणस्थान में कितने कर्मों का बंधन, उदय तथा सत्ता है?

.....

.....

3. तीर्थंकर के अस्पृश्य गुणस्थान कौन से है, तथा उनमें कितनी लेश्या होती है?

.....

.....

4. जिन गुणस्थान में शुक्ल ध्यान है, उनमें कौनसी समकित होती है?

.....

.....

5. सातवें गुणस्थान की मार्गणा बताओ?

.....

.....